International Journal of Creative Research Thoughts
Volume 2, Issue.2, Feb 2014
ISSN:-2320-2882

ORIGINAL ARTICLE

विभिन्न वर्ग के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव

डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य
महाराजा सूरजमल टी.टी. कॉलेज,
भरतपुर (राजस्थान)

श्रीमती दुर्गेश्वरी माथुर
शोधकर्त्री
पेसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजूकेशन
एण्ड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर (राज.)

शोध सार

किसी भी देश या समाज की प्रगति के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण एवं आवश्यक साधन है। शिक्षा विकास की प्रक्रिया है। मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि का एक दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की शैक्षिक उपलब्धि उच्च कोटि की होती है। मानसिक रूप से अस्वस्थ बालक समाज की अवांछनीय गतिविधियों में भी लिप्त हो जाता है तथा कक्षा–कक्ष व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं में वह मुख्य भूमिका का निर्वाह नहीं करता है। मानसिक स्वास्थ्य शैक्षिक उपलबि के स्तर को बढाने में मददगार साबित हो सकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह शोध कार्य किया गया जिसमें पाया गया कि राजस्थान के भरतपुर जिले के विभिन्न वर्ग के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव सकारात्मक पाया गया।

प्रस्तावना

किसी भी देश या समाज की प्रगति के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण आवश्यक साधन है। शिक्षा विकास की प्रक्रिया है। आदिकाल से शिक्षा का प्रमुख दायित्व बालकों को कुछ उपयोगी जीवन मूल्यों से संसरित करना रहा है। सम्पूर्ण विश्व में वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपलब्धियों के फलस्वरूप अनेक परिवर्तन हो रहे हैं। अपनी भौतिक सुख–सुविधाओं की पूर्ति के लिए छात्र लगातार अनेक प्रकार के अवांछनीय क्रियाकलापों में लिप्त हरे रहा है। रूग्ण मानसिकता के कारण वह अनेक प्रकार की विसंगतियों का शिकार हो रहा है क्योंक उसकी कमी समाप्त न होने वाली इच्छाएँ उसके मनो–शारीरिक स्वरूप पर आघात कर रही हैं। शैक्षिक उपलब्धि सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान बालक द्वारा सम्पूर्ण की गई

गतिविधियों के फलस्वरूप प्राप्त परिणाम से है। छात्र की शैक्षिक उपलब्धि उसके मानसिक स्वास्थ्य से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है। इसी सम्बन्ध को ज्ञात करने के लिए प्रस्तुत शोध कार्य एक अतुलनीय कदम है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन–

शोधकर्त्री ने विभिन्न शोध कार्यों का अध्ययन किया जिसमें अध्यापकों ने मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का मापन किया गया है। सिंह (2011) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राएँ के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया जिसमें 344 छात्र एवं 590 छात्राएँ थीं। मानसिक स्वास्थ्य मापने के लिए अरूण कु0 सिंह एवं अल्पना सेन गुप्ता (2000) द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का प्रयोग किया गया। इस अध्ययन में निम्नलिखित परिणाम है।

(1) छात्र एवं छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

(2) शहरी क्षेत्र में रहने वाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों से उच्च पाया गया।

(3) वित्तरहित विद्यालयों के छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्राप्त विद्यालय के छात्रों के तुलना में उच्च पाया गया।

बंधना एवं दर्शना (2012) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 12 के छात्र एवं छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया। इसके लिए कक्षा 12 के छात्र एवं 150 छात्राओं का चयन किया गया। छात्र एवं छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अन्तर पाया गया और परिणाम छात्राओं के पक्ष में रहा।

शोध की आवश्यकता एवं महत्व–

जीवन में सफलता का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में नित्य आवश्यकताओं का अनुभव करता है और उन्हें पूरा करने का प्रास करता है। यदि आवश्यकता की पूति नहीं होती है तो व्यक्ति तनाव का अनुभव करता है और मानसिक रूप से अस्वस्थ्य हो जाते हैं जिसके कारण शैक्षिक उपलब्धि भी प्रभावित होती है। मानसिक स्वास्थ्य वर्तमान में बहुत ही आवश्यक पक्ष है। मानसिक स्वास्थ्य शैक्षिक उपलब्धि के स्तर को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। इस दृष्टि से प्रस्तुत अध्ययन बहुत

महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत शोध कार्य के परिणाम निश्चित रूप से शिक्षाविदों एवं शैक्षिक प्रशासकों हेतु मार्ग दर्शक सिद्ध होगें।

शोध के उद्देश्य–

1– कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का अध्ययन करना।

2– उच्च, मध्यम एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य स्तर वाले स्नातक स्तर के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का अध्ययन करना।

3– स्नातक स्तर के कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन करना।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध में विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में न्यायदर्श के रूप में राजस्थान प्रान्त के भरतपुर जिले के 4 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्थित महाविद्यालयों के 480 छात्र–छात्राओं का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया है।

क्र. सं.	कॉलेज का नाम	कला		विज्ञान		वाणिज्य	
		छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ
1	जे.के. कॉलेज भरतपुर	10	10	10	10	10	10
2	जी.आई.एम. टी कॉलेज	10	10	10	10	10	10
3	पौद्दार नॉलेज	10	10	10	10	10	10
4	आर.डी. गर्ल्स भरतपुर	10	10	10	10	10	10
5	अग्रसेन कॉलेज नगर	10	10	10	10	10	10
6	ग. कॉलेज बयाना	10	10	10	10	10	10
7	एस.आर.पी. कॉलेज बयाना	10	10	10	10	10	10
8	संस्कार महाविद्यालय	10	10	10	10	10	10
	योग	80	80	80	80	80	80

1–4 शहरी, 5–8 ग्रामीण महाविद्यालय	कुल योग	480

क्रियाविधि–

प्रस्तुत अध्ययन हेतु दत्त संकलन के लिए अन्वेषिका ने सबसे पहले महाविद्यालयों के प्राचार्यों से मिलकर अपने अध्ययन के उद्देश्यों पर चर्चा कर छात्रों से दत्त संकलन के लिए स्वीकृति प्राप्त की फिर उनकी अनुमति से प्रत्येक चयनित महाविद्यालय के स्नातक प्रथम वर्ष के 20 कला, 20 विज्ञान एवं 20 वाणिज्य के छात्र–छात्राओं का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया था। उन्हें मापनी से सम्बन्धित विकल्पों के बारे में बताया गया जिनके आधार पर वो मानसिक स्वावस्थ्य के प्रति अपनी राय बता सकते हैं। इस हेतु उन्हें प्रत्येक कथन पर अपनी पसन्द के विकल्प पर (√) का निशान लगाना है।

सांख्यिकी–

संवेगात्मक परिपक्वता मापनी के माध्यम से संग्रहित किये गये प्रदत्तों का सारणीयन किया गया तत्पश्चात माध्य, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण का उपयोग प्रदत्तों का विश्लेषण करने हेतु किया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी– 1

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	प्रसरणी विश्लेषण	स्वीकृत अस्वीकृत
कला	160	61.380	10.006		
विज्ञान	160	66.016	8.063	24.260	अस्वीकृत
वाणिज्य	160	59.205	8.620		

0.05 पर साथर्कता स्तर = 1.97 स्वतंत्रता के अंश = 318

0.01 पर सार्थकता स्तर = 2.59

सारणी संख्या 1 से ज्ञात होता है कि कला, विज्ञान व वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।

मानसिक स्वास्थ्य	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	प्रसरण	स्वीकृत / अस्वीकृत
निम्न	123	63.668	8.185	19.699	अस्वीकृत
मध्यम	212	59.360	9.418		

उच्च	145	65.107	9.073		
				0.01	सार्थकता स्तर

सारणी–2 से स्पष्ट है कि प्राप्त एक का मान तालिका मान 4.713 से बहुत अधिक है इसका अर्थ है कि उच्च मध्यम एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य स्तर वाले स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है।

सारणी–3

कला वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सह सम्बन्ध
मानसिक स्वास्थ्य	160	99.300	10.150	0.369
शैक्षिक उपलब्धि	160	61.380	10.006	

0.01 सार्थकता स्तर स्वतन्त्रता अंश=158

सारणी–3 से स्पष्ट है कि मानसिक स्वास्थ्य व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह सम्बन्ध का मान तालिका का मान 0.203 से उच्च है। अतः निष्कर्ष निकलता है कि कला वर्ग के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षिक उपलब्धि से धनात्मक एवं सार्थक सह–सम्बन्ध हैं।

सारणी–4

विज्ञान वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सह–सम्बन्ध
मानसिक	160	96.956	11.050	0.405
शैक्षिक	160	66.016	8.063	

सारणी–4 से स्पष्ट है कि विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य शैक्षिक उपलब्धि के साथ धनात्मक व सार्थक सह–सम्बन्ध है।

सारणी–5

वाणिज्य	संख्या	मध्यमा	मानक विचलन	सह–सम्बन्ध
मा0स्वा0	160	93.900	13.659	0.289
शै0उप0	160	59.205	8.620	

सारणी–5 से स्पष्ट है कि वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि के साथ धनात्मक एवं सार्थक सह–सम्बन्ध है।

निष्कर्ष–

1. कला, विज्ञान व वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया।
2. उच्च, मध्यम एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
3. कला विज्ञान व वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक एवं सार्थक सह सम्बन्ध पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

- Aleen and Sheema (2005) Emotional Stability among college youth journal of the India Academy of Applied psychology, Vol. 31, P.P. 99-102.

- बालकृष्ण, (2013) इमोशनल मेच्युरिटी ऑफ टीचर्स इन रिलेशन टू देयर सब्जेक्टस एण्ड देअर इयर्स ऑफ एक्सपिरियन्स इन्टरनेशनल जनरल ऑफ टीचर एजूकेशनल रिसर्च, वॉल्यूम 2. नं. 8 26–31.

- चतुर्वेदी, अमित एण्ड रीना कुमार (2012) रोल ऑफ इोशनल मेच्युरिटी एण्ड उमोशनल इन्टेलिजेंस इन लर्निंग एण्ड एच्वीवमेन्ट इन स्कूल कॉन्टेक्स्ट शैक्षिक परिसम्वाद (इन इन्टरनेशनल जनरल आफ इजूकेशन), वॉल्यूम 2 नं. 2, पीपी 1–4

- चौहान, वी.एल. एण्ड भटनागर, टी (2003) एसेसिंग एमोशनल मेच्योरिटी, उमोशनल इक्सप्रेशन एण्ड इमोशनल क्वेटेन्ट आफ एडोलेसेन्स मेल एण्ड फील स्टडेन्ट्स, जनरल ऑफ कम्यूनिटी गाइडेंस एण्ड रिसर्च, 20 (2), 157–167

- डेट, एण्ड (2006), इमोशनल मेच्योरिटी ऑफ मेल एण्ड फीमेल सैकण्डरी स्कूल टीचर्स ऑफ दक डिस्ट्रीक्ट जरनल ऑफ कम्यूनिटी गाइडेन्स एण्ड रीसर्च, 23 (1), 8–10

- धर्मवीर, तली, डी.बी. एण्ड गोयल, अनूभा (2011) ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑन एन्जाइटी एण्ड इमोशनल मेच्योरिटी एमंश एडोलेसेन्स आफ को–एजूकेशनल एण्ड यूनी–एजूकेशनल स्कूलस, एकेडमिकाः एव इन्टरनेशनल स्कूल्स, एकेडमिकाः एन इन्टरनेशनल मल्टी डीसीप्लीनरी रीचर्स जरनल वॉल्यूम 1, इश्यू 3, 1–76